

## Sanskarshala

Published on September 21, 2019 in DAINIK JAGRAN

A Sanskarshala was organized with the aim to instill a healthy attitude towards life among the students. The workshop focused on following the correct routine and healthy eating habits.

# मानवता के मूल मंत्र : संवेदनशील बनें और जीवों पर दया करें



जासं, लखनऊ : मनीष पार्क में खेल रहा था। इस बीच उसके कुछ साथी पेड़ के नीचे बैठी गिलहरी को ईट मार रहे थे। मनीष को यह बात बुरी लगी उसने विरोध किया, पर तबतक गिलहरी घायल हो चुकी थी। मनीष गिलहरी को लेकर अपने घर पहुंचा। उसने अपने पिता नैमिष से कहा कि पापा गिलहरी को अस्पताल लेकर चलना है। क्योंकि उसके पिता भी बहुत दयावान थे। गिलहरी के प्रति मनीष की यह संवेदनशीलता देखकर वह तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल में डॉक्टर ने इलाज किया।

उसके बाद मनीष उसे साथ रखने की जिद करने लगा। पर डॉक्टर ने समझाते हुए कहा कि बेटा अभी इसे यहीं रहने दो। डॉक्टर गिलहरी का इलाज करते रहे। चार दिन बाद जब वह स्वस्थ हो गई तो मनीष अपने पापा के साथ पहुंचा और गिलहरी को फिर घर ले आने की जिद करने लगा। पापा ने जब उसे



विकास नगर स्थित पायनियर मांटेसरी स्कूल में बच्चों को कहानी सुनाते तुलिका ● जागरण

विकासनगर के पायनियर मांटेसरी स्कूल और एमिटी इंटरनेशनल स्कूल गोमतीनगर में संस्कारशाला का हुआ आयोजन

समझाया कि बेटा इसके भी माता-पिता हैं वह भी परेशान हो रहे होंगे। इसलिए उसे घर न ले चलकर उसी पेड़ के नीचे पार्क में छोड़ दो। मनीष समझ जाता है और उसे लेकर पार्क में छोड़ देता है। इसके बाद बड़ा होकर मनीष भी लोगों को जीवों पर दया करने की शिक्षा देने लगा। बच्चों ने कहानी सुनकर जीवों पर

दया करने उनका हमेशा खयाल रखने की बात कहते हुए तालियां बजानी शुरू कर दीं। शुक्रवार को विकासनगर स्थित पायनियर मांटेसरी स्कूल में स्टोरी टेलर तुलिका बनर्जी ने बच्चों को संवेदनशील बनने की शिक्षा दी। संवेदनशील बनें और जीवों पर दया करें। यही मानव का मूल मंत्र होना चाहिए। इस दौरान दैनिक जागरण ब्रांड के मुख्य प्रबंधक जीवन जोशी एवं स्कूल की प्रिंसिपल मौजूद रहीं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक मौजूद रहे।



एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में आयोजित संस्कारशाला में कहानी सुनाते बसंत मिश्रा ● जागरण

## स्वस्थ शरीर से हमारे अंदर आता है आत्मविश्वास

गोमतीनगर स्थित एमिटी इंटरनेशनल स्कूल में स्टोरी टेलर बसंत मिश्रा ने बच्चों को स्वस्थ रहने की शिक्षा दी। बसंत ने कहा कि मनु बहुत ही मोटा था। वह सारा दिन टीवी देखता रहता था और जंक फूड्स बहुत खाता था। जो हमारे शरीर को सबसे अधिक नुकसान करते हैं। एक दिन उसने टीवी चैनल पर देखा कि जंग फूड और मोटापे के कारण कितनी बीमारियां हमारे अंदर होती हैं। उसमें स्वस्थ रहने का तरीका भी बताया गया। उसने भी निश्चय किया कि वह भी स्वस्थ और फिट होगा। उसके बाद से रोजाना सुबह वह दौड़ने जाने लगा। दूध पीता और बने और हरी सब्जियां खाने लगा, जंक फूड्स खाना छोड़ दिया। धीरे धीरे वह स्वस्थ हो गया। पढ़ाई में उसका मन लगने लगा और वह कक्षा में टॉपर हो गया। कहानी सुनकर बच्चों ने भी जंक फूड न खाने और स्वस्थ रहने की बात कही। इस दौरान स्कूल की कोऑर्डिनेटर तनुजा ने कहा कि संस्कारशाला बच्चों के लिए बहुत उपयोगी है। दैनिक जागरण का यह अभियान सराहनीय है।